डा एस एन सुब्बा राव (भाई जी) सन्देश यात्रा
शांति व् सद्भावना सायकिल यात्रा

अक्टूबर 2 से 25, 2023, (बिहार) पश्चिम चंपारण से पटना

सुब्बराव जी (भाई जी) का जीवन परिचय

डॉ. एसएन सुब्बाराव का जन्म 7 फरवरी 1929 , को बैंगलुरु में हुआ था। स्कूल शिक्षा के दौरान से ही डॉ. सुब्बाराव महात्मा गांधीजी के सिद्धांतों से प्रभावित हुए और उनके बताए मार्ग पर चलना शुरू कर दिया। डॉ. सुब्बाराव ने गांधीवादी तरीकों से भारत के स्वाधीनता आंदोलन में बढ़-चढ़कर योगदान दिया। उन्हें सड़कों पर' क्विट इंडिया 'नारा लिखने के आरोप में मात्र 13 वर्ष की आयु में ही ब्रिटिश पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। उन्होंने वर्ष 1993 से 1995 तक सद्भावना रेल यात्रा प्रारंभ कर 21 राज्यों की यात्रा की और राष्ट्रीय एकता एवं साम्प्रदायिक सदभाव का संदेश प्रसारित किया। उन्होंने मॉस्को ,अफ्रीका ,अमेरिका ,जर्मनी और कनाडा सहित अन्य देशों तथा संयुक्त राष्ट्र में शांति और सद्भावना से जुड़े अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भारत का प्रतिनिधित्व किया। डॉ. सुब्बाराव ने अपना सम्पूर्ण जीवन गांधीवादी विचारों और आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने में समर्पित कर दिया। डॉ. सुब्बाराव गांधी पीस फाउण्डेशन के आजीवन सदस्य रहे। उन्होंने मॉस्को ,अफ्रीका ,अमेरिका , जर्मनी और कनाडा सहित अन्य देशों तथा संयुक्त राष्ट्र में शांति और सद्भावना से जुड़े अंतरराष्ट्रीय

भाई जी संदेश यात्रा

भाई जी के द्वारा निकाली गयी सद्भावना रेल यात्रा के 30 वर्ष पुरे होने पर उनके सन्देश को जन जन तक पहुँचाने के लिए 2 अक्टूबर 2023 को भितिहरवां से साइकिल यात्रा प्रारंभ की गयी है । यह यात्रा बिहार के 22 जिलों से गुजरेगी और 25 अक्टूबर 2023 को पटना पहुचेगी। इस दौरान साइकिल यात्रा में पूरे भारत से 30 साइकिल यात्री भाई जी के विचारों का प्रचार प्रसार करेंगे।

बिहार में सुब्बराव जी

भाई जी का बिहार से जुड़ाव बहुत ही पुराना रहा। उनके द्वारा बिहार के भागलपुर, समस्तीपुर, मुजफफरपुर, पटना, भितिहरवां सहित कई शहरों में शांति व सद्भावना और राष्ट्रीय एकता शिविर आयोजित किये गये। सद्भावना रेल यात्रा के दौरान सिवान , छपरा, हाजीपुर, बरौनी, इत्यादि रेलवे स्टेशन के शहरों में सद्भावना का संदेश प्रसारित किया। 90 की दशक में दस्यु समस्या से पीड़ित पश्चिमी चम्पारण के रामनगर, तम्कुहां और नौतन बाजार में शांति शिविर आयोजित किया और ग्रामीण क्षेत्र के नवजवानों को अहिंसा के लिए प्रेरित किया।

देश की ताकत –नवजवान , देश की इज्जत –नवजवान ,
भारत माँ के सब हैं लाल -धर्म भेद का कहाँ सवाल
भाई जी की कामना – सद्भावना सद्भावना,
सबके हित के वास्ते - अपना सुख बिसारे जा
कश्मीर हो या कन्याकुमारी—भारत माता एक हमारी

सम्मेलनों में भारत का प्रतिनिधित्व किया। डॉ. सुब्बाराव ने अपना सम्पूर्ण जीवन गांधीवादी विचारों और आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने में समर्पित कर दिया। चम्बल घाटी में बागी आत्मसमर्पण और उनके पुनर्वास के लिए काम किया और कालांतर में राष्ट्रीय युवा योजना और महात्मा गांधी सेवा आश्रम संस्था का निर्माण कर लाखों नवजवानों को समाज कार्य के लिए प्रेरित किया। 27 अक्टूबर 2021 को भाई जी का देहावसान हो गया। 92 वर्ष की उम्र तक वे देश सेवा के लिए कार्य करते रहे। इनका समाधि स्थल चम्बल घाटी के मुरैना जिले में जौरा में स्थित है जहां पर इनके जीवन से जुड़े कार्यो पर प्रदर्शनी भी लगायी गयी है। जहाँ निरंतर स्कुल, कालेज और विश्विद्यालयों और ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़े नवजवान आकर प्रेरणा लेते है। सुब्बाराव जी को पूरा देश प्यार से भाई जी के नाम से संबोधित करता है ।

शांति स्थापना के लिए अनूठे प्रयोगः बागी आत्मसमर्पण

चम्बल घाटी के मुरैना जिले (मध्यप्रदेश) में 60 की दशक में स्थानीय समुदाय के आग्रह पर भाई जी ने दुर्दांत बागियों से निरंतर वार्तालाप और भजन के माध्यम से आत्मसमर्पण के लिए प्रेरित किया। परिणामतः 70 की दशक में महात्मा गांधी सेवा आश्रम के प्रांगण में लोकनायक जयप्रकाश नारायण और श्रीमती प्रभावती जी की उपस्थिति में 654 बागियों ने समर्पण किया और कालांतर में उत्तरप्रदेश एवम राजस्थान के दो बागी समर्पण का दायित्व भाई जी ने पूरा किया। मोहर सिंह, माधौ सिंह तथा अन्य बागी सरदारों के नेतृत्व में 14-16 अप्रैल,1972 को 186 बागियों ने महात्मा गांधी की मूर्ति के सामने हथियार डालकर जौरा में समर्पण किया। जिस काम को करने में प्रशासन और सरकार विफल रही उस काम को गांधी का एक अनन्य सिपाही अपने मधुर गीतों और प्रेम से करने में सफल हुआ, जो किसी चमत्कार से कम नहीं था और आजादी के बाद अहिंसा के सर्वोत्तम प्रयोगों में से एक था।

देश की एकता, अखण्डता और भाईचारा के लिए युवाओं की अभिप्रेरणा

'युवा शक्ति ही देश की शक्ति है' के मंत्र वाक्य ने भाई जी को 1970 की दशक में राष्ट्रीय युवा योजना की स्थापना के लिए प्रेरित किया। इसके माध्यम से भाई जी ने देश भर में राष्ट्रीय एकता, युवा नेतृत्व, सद्भावना, आपदा प्रबंधन शिविरों को आयोजित कर लाखों युवक-युवतियों को देश प्रेम, सद्भावना, रचनात्मक कार्य और राष्ट्रीय एकता का संस्कार विकसित करने का कार्य किया। भाई जी का मानना था कि 'देश का बहुत पैसा भवन निर्माण, उद्योग, बांध, सड़कों पर खर्च होता है इसके साथ साथ देश में चरित्रवान नागरिकों के निर्माण पर भी शक्ति खर्च करनी होगी। यदि चरित्रवान नागरिक का निर्माण नहीं हुआ तो देश का सारा विकास निरर्थक है।'

सद्भावना रेल यात्रा

राष्ट्रीय एकता एवं सद्भावना को बढ़ावा देने के लिए रेल मंत्रालय एवं मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार की मदद से भाई जी द्वारा सद्भावना रेल यात्रा तीन चरणों में (2 अक्तूबर 1993 से 1995) पूरे भारत में की गयी, जिसमें लगभग 2500 युवक-युवतियों ने भाग लिया और यह यात्रा देश के लगभग सभी शहरों और नगरों से होकर गुजरते हुए ***युवाओं की कामना-सद्भावना, सद्भावना, 'धर्म भेद का कहां सवाल-भारत माँ के सब है लाल'*** जैसे संदेशो का प्रचार प्रसार किया।

गांधी विचारों का प्रचार प्रसार

भाई जी का पूरा जीवन गांधीवादी विचारों के प्रचार प्रसार के लिए समर्पित रहा, उनके निर्देशन में गांधी जन्मशताब्दी वर्ष 1969-70 के अवसर पर गांधी रेल प्रदर्शनी पूरे देश में छोटी-बड़ी रेल लाइन पर चलायी गयी और सत्य, प्रेम, अहिंसा, परोपकार, भाईचारा के विचारों का उन्होने पूरे देश भर में प्रचार किया।

भाषायी एकता और भारत की संतान

भाई जी का मानना था कि दुनिया में कई देश भाषा और धर्म के आधार पर टूट गये इसलिए भाई जी ने अपने शिविरों के माध्यम से युवाओं को 'सर्व धर्म-मम~भाव', तथा 'सर्व भाषा-सम भाव' के लिए प्रेरित किया। भाई जी स्वयं देश के संविधान में उल्लिखित सभी भाषाओं के अच्छे जानकार रहे। उनके द्वारा निर्देशित 'भारतीय बहुभाषा गीत-भारत की संतान' भाषायी और वेषभूषा की विभिन्नता में एकता का संदेश देता है।

राष्ट्रीय पुरस्कार

भाई जी को राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय संस्थाओं ने कई पुरस्कार प्रदान किये जिसमें जमनालाल बजाज पुरस्कार, इंदिरा गांधी शांति व सद्भावना, मध्यप्रदेश का राष्ट्रीय महात्मा गाँधी सम्मान जैसे पुरस्कार शामिल हैं । राजस्थान सरकार के द्वारा उनको मरणोपरांत गाँधी सद्भावना पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

युवाओं के लिए भाई जी का सन्देश

आप अपने जीवन को उपयोगी बनाना चाहते हैं और एक बेहतर भारत माता और एक बेहतर दुनिया के निर्माण में मदद करना चाहते हैं ! आपको बधाई हो।

पूरे भारत और विदेशों में फैले 2,00,000 से अधिक युवाओं (पुरुषों और महिलाओं) वाले राष्ट्रीय युवा योजना (एनवाईपी) परिवार का सदस्य बनने के लिए आपका स्वागत है।

कार्य : हम सभी जानते हैं कि कुछ बुरी शक्तियां होती हैं जो दूसरे लोगों को दुख पहुंचाती हैं, परंतु ऐसे दुष्ट लोगों की संख्या कम होती है । लेकिन ऐसे लोगों की संख्या भी अधिक है जो चाहते हैं कि समाज खुशहाल हो । लेकिन वे बिखरे हुए हैं और उनके पास दुनिया में कोई कार्ययोजना नहीं है । राष्ट्रीय युवा योजना का सदस्य बनने का मतलब है कि आप समाज के एक सक्रिय, सकारात्मक, ईमानदार सदस्य बन जाते हैं।

कैसे शुरुआत करें?

- आश्वस्त रहें कि समाज में अन्य लोग भी हैं जो आपकी तरह सोचते हैं, " हम दुनिया को खुशहाल बना सकते हैं और हमें ऐसा करना चाहिए "
- क्या हम एक साथ मिल सकते हैं ? समान विचारधारा वाले लोगों को बैठक में आमंत्रित करें । एक स्थान और समय निश्चित करें. वह स्थान आपका या आपके मित्र का घर, मैदान, पेड़ के नीचे आदि हो सकता है ।
- यदि बैठक की शुरुआत किसी गीत से हो तो अच्छा है, यदि समुदाय में हो तो और भी अच्छा है ।
- उन लोगों की सूची बनाएं जो राष्ट्रीय युवा योजना इकाई के सदस्य बनते हैं । उन्हें समझाएं कि राष्ट्रीय युवा योजना का मतलब कार्य । अपने गांव/शहर की कॉलोनी / मोहल्ले/ वार्ड में हर महीने कम से कम 4 कार्यक्रम करने के लिए सदस्यों के साथ योजना बनाएं :-

प्रथम शनिवार:	**दूसरा रविवार:**	**तीसरा शनिवार:**	**अंतिम रविवार शाम:**
बौद्धिक वर्ग, वाद -विवाद, पुस्तक समीक्षा आदि ।	सामुदायिक मैनुअल कार्य, वृक्षारोपण, सड़क की मरम्मत,	सर्वधर्म प्रार्थना के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम ।	एथलेटिक्स, खेल आदि।

15 अगस्त, 26 जनवरी, युवा दिवस 12 जनवरी, 2 अक्टूबर के कार्यक्रमों का अवलोकन करना । एक बार किसी गाँव का दौरा (साइकिल से बेहतर) और गाँव की समस्याओं पर ग्रामीणों से चर्चा आदि ।

अपने राज्य के एनवाईपी केंद्र के संपर्क में रहें और दिल्ली में अपनी इकाई पंजीकृत करें । कुछ चयनित युवा कभी-कभार राष्ट्रीय युवा योजना शिविरों और कार्यक्रमों में भाग ले सकते हैं।

अन्य लोगों के लाभ के लिए जब कोई कुछ करता है तो जीवन खुशहाल हो जाता है और पूर्णता महसूस होती है।

सद्भावना यात्रा आयोजन समिति के सदस्य और संपर्क नंबर

नाम	नंबर	नाम	नंबर	नाम	नंबर
अशोक भारत	8709022550	प्रभात कुमार	9835600832	दीपक कुमार	7631193459
सुनील सेवक	9905274969	संजय कुमार	9431256361	कुमुद भाई	7004171170
प्रेमकुमार	9934085354	केशव भाई	9162915276	धर्मेन्द्र भाई	9810350404
मुकेश चन्द्र झा	9334904666	सुधीर भाई	6201885048	शीतल जैन	993475400
नीरज कुमार	8539801124	रोहित भाई	9431677861	नरेन्द्र भाई	9325278412
यात्रा संयोजक – अशोक भारत 8709022550					
यात्रा सहयोग एवं मार्गदर्शन –राष्ट्रीय युवा योजना					
रंजनी जोयिस	9686093953	सुकुमारन	9447482816		
रनसिंह परमार	9993592425	मधुसुदन दास	8895799190		

सायकिल यात्रा मार्ग की जानकारी और संपर्क नुम्बर

दिनांक	कार्यक्रम विवरण
30 सितम्बर एवं 1 अक्टूबर 2023	साईकिल यात्रियों का प्रशिक्षण शिविर, विश्वमानव सेवा केंद्र, नरकटियागंज (श्रीशत्रुघ्न झा 9931639131) विश्वमानव सेवा केंद्र,नरकटियागंज (श्री शत्रुघ्न झा 9931639131)
2 अक्टूबर	भितिहरवा आश्रम, (श्री दीपेन्द्र वाजपेयी 9470091233), (श्री सुधिष्ठ जी 8757149284) से नरकटियागंज, (श्री शत्रुघ्न झा 9931639131) , से बेतिया श्री पंकज जी 9470091177) (प्रो.शम्शुलहक 7994024656) दूरी 55 किमी
3 अक्टूबर	बेतिया से सुगाव , (श्रीअवधेश झा 9934491106) से मोतिहारी (श्री विनय कुमार 8521575300) दूरी 45 किमी
4 अक्टूबर	मोतिहारी से पकड़ीदयाल (श्री नारायण मुनि) (श्री प्रमोद जी 9934730691) (श्री अविनाश7576657803) (श्री प्रभु 8083139915) से लालगढ़, (शिवहर) (श्री अमरेन्द्र त्रिवेदी 9934619611) दूरी 50 किमी
5 अक्टूबर	लालगढ़ से शिवहर (श्री सुधीर मिश्रा 62018850048) से सीतामढ़ी (श्री सुधीर मिश्रा 62018850048) दूरी 45 किमी
6 अक्टूबर	सीतामढ़ी से रुन्नी सैदपुर (श्री महामाया 7903772896 9470020327) से मुजफ्फरपुर (श्री विक्रम जयनारायण निषाद 8709889442) (श्री अर्जुन गुप्ता 8083311058) दूरी 60 किमी
7 अक्टूबर	मुजफ्फरपुर से पिलखी (श्रीमती प्रज्ञा जी 9934296267) से समस्तीपुर (संजय कुमार बबलू 8210476913) दूरी 56 किमी
8 अक्टूबर	समस्तीपुर से सिंघियाघाट से माहेसिंघिया (श्री शुभमूर्ति 7782965995), (श्री रामउद्गार महतो 9835165290) (श्रीरामदेव महतो 9934249062) दूरी 31 किमी
9 अक्टूबर	माहेसिंघिया से बिरौल सहरसा (श्री अवधनारायण यादव 9931299210) (श्री अरविन्द झा 9905405381, 9931299210) दूरी 53 किमी
10 अक्टूबर	सहरसा से मधेपुरा (श्री सुधांशु शेखर 9934629245) (रोहित 7667949411) से मुरलीगंज (श्री संदीप यादव 7979954265) दूरी 45 किमी
11 अक्टूबर	मुरलीगंज से जानकी बाज़ार से पूर्णिया (श्रीमती संतोष भारत 6206847507), 7979954265) (श्रीमती मिनाक्षी 8299340345) दूरी 55 किमी
12 अक्टूबर	पूर्णिया से रानीपत्रा (श्री सुमित प्रकाश 9709560375) से बरारी बाज़ार (श्री सतीश सिंह 9431640935) दूरी 50 किमी
13 अक्टूबर	बरारी बाज़ार से कुरसेला से भागलपुर (श्री रामशरण जी 9006187963) (श्री उदयजी 9431873219) (श्री विजय धावक 6266687963) दूरी 60 किमी
14 अक्टूबर	**भागलपुर में विश्राम**
15 अक्टूबर	भागलपुर से मकनपुर रत्नचक (डा. सुजाता चौधरी 7320914411) से मुंगेर (श्री रविरंजन जी 6200839275 9631947707) दूरी 60 किमी
16 अक्टूबर	मुंगेर से बलिया लखमिनिया (श्री चंद्रशेखर जी 7644018826) से बेगुसराय, (श्री विकास कैव 9470045663) दूरी 50 किमी
17 अक्टूबर	बेगुसराय से सिमरिया घाट से सरमेरा (श्री दीपक कुमार 7631193459), (श्री विनोद पाण्डेय 6299624330), दूरी 50 किमी
18 अक्टूबर	सरमेरा से बरबीघा से नालंदा (श्री दीपककुमार 7631193459) दूरी 50 किमी
19 अक्टूबर	नालंदा से राजगीर, (श्री दीपक कुमार 7631193459) से हिसुआन वादा , (श्री ऍम पी सिन्हा 9431227062) दूरी 45 किमी
20 अक्टूबर	हिसुआन वादा से गया (श्री सच्चिदानन्द प्रेमी 9430837615) दूरी 45 किमी
21 अक्टूबर	गया से पचरुखिया (श्री अजय श्रीवास्तव 9937911669) दूरी 50 किमी
22 अक्टूबर	पचरुखिया से विक्रमगंज दूरी 45 किमी
23 अक्टूबर	विक्रमगंज से जगदीशपुर, (श्री हिमराज सिंह नयकाटोला 91113370039), दूरी 47 किमी
24 अक्टूबर	जगदीशपुर से सकड्डी दूरी 45 किमी
25 अक्टूबर	सकड्डी से बिहटा, पटना (श्री सुनील सेवक 9905274969), (श्री प्रदीप प्रियदर्शी 9431077343), (श्री नीरज कुमार 9334724789), (श्री केशव पाण्डेय), 9162915276 (श्री प्रेम कुमार 9934085354) दूरी 40किमी
25 से 27 अक्टूबर	**भाईजी के द्वितीय पुण्य स्मृति केअवसर पर राष्ट्रीय शांति एवं सद्भावना शिविर, स्थान: पाटलिपुत्र खेल परिसर, कंकडबाग,पटना. बिहार**